सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, बिहार
प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–cm-26
13/01/2018

सामाजिक कुरीतियों से छुटकारा मिलने के बाद ही विकास का असली लाभ लोगों तक पहुंचेगा :– मुख्यमंत्री

पटना, 13 जनवरी 2018 :– मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने आज विकास कार्यों की समीक्षा यात्रा के क्रम में भोजपुर जिले के जगदीशपुर प्रखंड के दावां गांव का भ्रमण किया। गांव भ्रमण के दौरान मुख्यमंत्री ने सात निश्चय योजनान्तर्गत चल रहे विकास कार्यों की प्रगति को देखा। मुख्यमंत्री ने दावां पंचायत सरकार भवन का उद्घाटन किया। पंचायत सरकार भवन परिसर में प्राथमिक कृषि साख समिति के गोदाम का भी उद्घाटन किया। परिसर में ही मुख्यमंत्री द्वारा वृक्षारोपण किया गया। जीविका द्वारा लगाए गए स्टॉल का मुख्यमंत्री ने अवलोकन किया। लोहिया स्वच्छ बिहार योजना के तहत भूमिहीन लोगों के लिए बने क्लस्टर टॉयलेट भी देखा, इसके तहत सात लोगों को टॉयलेट बनाकर चाभी सौंपी गई। बगल में बने सोख्ता निर्माण कार्य का भी मुख्यमंत्री ने निरीक्षण किया। गांव भ्रमण के पश्चात मुख्यमंत्री ने आयोजित कार्यक्रम में 222 करोड़ रुपए की 257 योजनाओं का रिमोट के माध्यम से उद्घाटन एवं शिलान्यास किया।

जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं सबसे पहले आप सबको यहॉ उपस्थित होने के लिए तहे दिल से धन्यवाद देता हूॅ। आज मुझे आपके बीच आने का मौका मिला है। आने के बाद पंचायत सरकार भवन को मैंने देखा, वहां एक साथ पैक्स, स्वास्थ्य केंद्र एवं अन्य चीजें हैं, वहां पर मुझे पता चला कि दावां गांव की अपनी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि है। मुखिया श्रीमती कुसूमलता देवी ने मुझे एक कागज का टुकड़ा दिया, जिसमें प्राचीन इतिहास की चर्चा है। मुझे इसके बारे में जानकर बहुत खुशी हुई। समीक्षा यात्रा के क्रम में हम जिले के अंतर्गत एक गांव जाते हैं और वहॉ हो रहे कार्यों के क्रियान्वयन की प्रगति को देखते हैं। उसे जानने–समझने का प्रयास करते हैं। अलग–अलग जगहों पर अलग–अलग तरह की समस्यायें होती हैं। सात निश्चय योजना के क्रियान्वयन में आ रही कठिनाइयों का भी समाधान किया जाता है, इसी सिलसिले में इस गांव में आकर मुझे खुशी हो रही है। बाबू वीर कुंवर सिंह की धरती को मैं नमन करता हूॅ। आजादी की लड़ाई में जो उनकी भूमिका रही है, जो उनका योगदान रहा है, जिस तरह उन्होंने अंग्रेजों से लड़ाई लड़ी और अपनी जान न्योछावर किए, उसे भुलाया नहीं जा सकता। 23 अप्रैल 1858 को उन्होंने विजय पताका फहराया लेकिन उसके बाद वे चल बसे। उनके योगदान को उतना महत्व नहीं मिला, जितना मिलना चाहिए था। हम बिहारवासियों का कर्तव्य है कि इस चर्चा को पूरे देश में फैलाएं, इसके लिए बाबू वीर कुॅवर सिंह के विजयोत्सव के 160वें वर्ष पर 23 अप्रैल से 25 अप्रैल तक 3 दिन तक विजय दिवस के रूप में राजकीय समारोह मनाया जाएगा। इसके द्वारा उनकी गाथा को जन–जन तक पहुंचाना है। मुझे उनकी ऐतिहासिक भूमि पर आकर खुशी हो रही है। यहां आने के बाद जिला प्रशासन एवं संबंधित विभाग ने 222 करोड़ रुपए की 257 योजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास करवाया है, इसमें अभियंत्रण महाविद्यालय, महिला आई0टी0आई0 एवं सात निश्चय से संबंधित अन्य कार्य हैं। हर घर नल का जल, शौचालय

का निर्माण, हर घर तक पक्की गली–नाली का निर्माण कार्य किया जा रहा है। 2017 के अंत तक हर गांव तक बिजली पहुंच गई है, जो टोले बचे हुए हैं, वहां अप्रैल तक बिजली पहुंच जाएगी। ऊर्जा विभाग के अधिकारियों ने बताया है कि इस जिले में यह कार्य एक महीने के भीतर हो जाएगा। इस साल के अंत तक हर इच्छुक व्यक्ति जो बिजली का कनेक्शन लेना चाहते हैं, उनको कनेक्शन उपलब्ध करा दिया जायेगा। शौचालय का निर्माण एक आवश्यक कार्य है, अगर खुले में शौच से मुक्ति मिल जाए और शुद्ध पीने के पानी का इंतजाम हो जाए तो 90 प्रतिशत बीमारियों से छुटकारा मिल जाएगा। हर गांव तक पक्की सड़क पहुंच गई है, टोला निश्चय योजना के अंतर्गत प्रत्येक टोले तक सड़क पहुंच जाएगी। गांव में पक्की गली नाली का निर्माण किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि महिला सशक्तिकरण के लिए अनेक काम किए गए हैं। पंचायती राज संस्थाओं एवं नगर निकायों में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण दिया गया है, आज उसी का परिणाम है कि आप की मुखिया और वार्ड मेंबर महिला हैं। लड़कियों की शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए पोशाक योजना और साइकिल योजना चलाई गईं। महिलाओं में आत्मनिर्भरता एवं आत्मविश्वास को बढ़ावा देने के लिए स्वयं सहायता समूह का गठन किया गया। आज इनकी संख्या 8 लाख है, जिस दस लाख करने का लक्ष्य है। सात निश्चय योजना के तहत राज्य सरकार की सभी सेवाओं में महिलाओं को 35 प्रतिशत आरक्षण दिया गया है। जो बच्चे एवं बच्चियां गरीबी के कारण 12वीं के बाद उच्च शिक्षा नहीं ग्रहण कर पाती हैं, सरकार ने उनके लिए चार लाख रूपये तक का स्टुडेंट क्रेडिट कार्ड योजना चलाई है। बैंक के शिथिल रवैये के कारण हमारे युवाओं को परेशानी हो रही है। राज्य सरकार ने अगले साल से अपने वित्त निगम के द्वारा इस कार्य को करने का मन बनाया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 12वीं के बाद हमारे यहां उच्च शिक्षा प्राप्त करने वालों की संख्या 13.9 प्रतिशत है, जिसे बढ़ाकर 30 प्रतिशत तक ले जाना है। जो युवा रोजगार की तलाश में हैं, उनके लिए सरकार ने एक हजार रूपये प्रतिमाह की दर से 2 साल तक स्वयं सहायता भत्ता देने का निर्णय लिया है। कुशल युवा कार्यक्रम के तहत विद्यार्थियों को हर एक प्रखंड के कौशल विकास केंद्र पर 240 घंटे की कम्प्यूटर शिक्षा तथा हिंदी एवं अंग्रेजी भाषा के साथ साथ व्यवहार कौशल सिखाया जाता है। हमारे विद्यार्थियों को शिक्षा के लिए बाहर भटकना न पड़े, इसके लिए प्रत्येक जिले में इंजीनियरिंग कॉलेज, पॉलिटेक्निक कॉलेज, महिला आई0टी0आई0, जी0एन0एम0 संस्थान खोले जाएंगे। सब डिवीजन में ए0एन0एम0 एवं पॉच मेडिकल कॉलेज खुलेंगे, जिसमें नर्सिंग की पढ़ाई भी होगी। भोजपुर जिले में मेडिकल कॉलेज बनाने पर काम हो रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि तीसरे कृषि रोड मैप से किसानों की आमदनी बढ़ेगी। हमारा लक्ष्य है कि हर भारतीय की थाल में बिहार का एक व्यंजन हो। पुल–पुलिया, सड़क के साथ–साथ अन्य विकास के काम किए जा रहे हैं। लोगों को बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। इसमें किसी प्रकार की ढिलाई नहीं होगी लेकिन विकास के साथ–साथ सामाजिक कुरीतियों को खत्म करना भी जरूरी है, तभी विकास का असली लाभ आप लोगों तक पहुंचेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि शराबबंदी के बाद जो पैसे बर्बाद होते थे, वह परिवार के भरण पोषण में खर्च हो रहा है। समाज में शांति आई है लेकिन अभी भी कुछ दो नंबर के धंधेबाज हैं जो इस अवैध कारोबार में लगे हुए हैं। उन पर नजर रखने की जरूरत है। आई0जी0 मद्य निषेध का पद सृजित किया गया है। हर गांव में बिजली के ट्रांसफार्मर के खंभे पर एक फोन नंबर रहेगा, जिस पर आप अपने मोबाइल से गड़बड़ी करने वालों की सूचना दे सकते हैं। उस पर तत्काल कार्रवाई की जाएगी और आपका नाम भी गुप्त रखा जाएगा। क्या कार्रवाई हुई, इसके बारे में आपको भी अवगत कराया जायेगा। इन सबके बावजूद आपलोगों को जागरुक रहना पड़ेगा। हाल ही में रोहतास में चार और वैशाली में तीन लोग जहरीली

शराब पीने से मौत के शिकार हो गए थे। आपलोग, लोगों को समझाइये कि दो नंबरी धंधेबाज आपको जहरीली शराब पिला सकते हैं, जिससे आप मौत के शिकार हो सकते हैं। ये भी देखना होगा कि शराब की जगह लोग कोई दूसरे मादक द्रव्य का सेवन न करने लगें। इसके लिए भी जागरुक रहना है। मेरी प्रतिबद्धता इन चीजों के प्रति है। शराबबंदी से हम लोगों ने सामाजिक परिवर्तन की बुनियाद रखी है। आपलोगों को भी सजग रहना है। शराबबंदी सभी धर्म एवं मजहब में है। सामाजिक सद्भाव एवं सांप्रदायिक सौहार्द्र का इससे अच्छा संदेश और कोई नहीं है। अभी हाल ही में कर्नाटक की एक टीम अध्ययन के लिए बिहार आई थी। देश एवं विदेश से लोग अध्ययन के लिए आ रहे हैं। 12 करोड़ की आबादी वाले राज्य में यह कैसे लागू हो गया, लोग जानना चाहते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाओं की मांग पर ही मैंने शराबबंदी लागू की थी। लोक संवाद के कार्यक्रम में एक महिला ने मुझसे कहा कि शराबबंदी करके तो आपने बहुत अच्छा किया, दहेज प्रथा को भी बंद करवाइए। दहेज प्रथा और बाल विवाह दोनों का संबंध एक दूसरे से है। समाज की इन कुरीतियों के लिए कानून है, बाल विवाह के कारण प्रसव के दौरान महिलाएं मौत की शिकार हो जाती हैं और जो बच्चे पैदा होते हैं, वे बौनेपन एवं मंदबुद्धि के शिकार होते हैं। भारत सरकार द्वारा अपराध के जारी आंकड़ों में बिहार का स्थान 22वां है, लेकिन दहेज हत्या एवं उत्पीड़न में उत्तर प्रदेश के बाद यह दूसरे स्थान पर है। दहेज प्रथा को खत्म करने के लिए आपलोग मन बना लीजिए। यह निर्णय ले लीजिए कि कितना भी नजदीकी रिश्तेदार क्यों न हो, दहेज वाली शादी में शामिल नहीं होंगे। इससे उनके मन में भय पैदा होगा और वे अलग–थलग पड़ जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमलोग चंपारण शताब्दी वर्ष मना रहे हैं। गांधीजी ने संकल्प लेकर नीलहों के अत्याचार से किसानों को मुक्ति दिलाई थी। आपलोग भी संकल्प लीजिएगा तो दहेज प्रथा एवं बाल विवाह से छुटकारा मिलेगा। पिछले वर्ष 21 जनवरी को शराबबंदी एवं नशामुक्ति के खिलाफ लगभग चार करोड़ लोगों ने अपनी भावना का प्रकटीकरण किया था और इनके खिलाफ मानव श्रृंखला बनायी गयी थी। इस वर्ष भी 21 जनवरी को बाल विवाह एवं दहेज प्रथा के खिलाफ अद्भुत मानव श्रृंखला बनेगी। आपलोग उसमें शामिल होकर अपनी भावना को प्रकट कीजिए और यह बताइए कि बिहार बाल विवाह एवं दहेज प्रथा के खिलाफ है। इससे बिहार के बाहर एक अच्छा संदेश जाएगा। समाज को कुरीतियों से छुटकारा मिलेगा, हम न्याय के साथ विकास के पथ पर अग्रसर हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सामाजिक कुरीतियों से छुटकारा मिलने के बाद विकास का असली लाभ लोगों तक पहुंचेगा। समाज में आपलोग प्रेम और भाईचारा तथा सद्भाव का माहौल कायम रखिए।

कार्यक्रम के प्रारंभ में मुख्यमंत्री का स्वागत पुष्प–गुच्छ, अंगवस्त्र एवं प्रतीक चिन्ह भेंटकर किया गया।

सभा को खान एवं भूतत्व मंत्री सह भोजपुर जिला के प्रभारी मंत्री श्री बिनोद कुमार सिंह, विधायक श्री नवाज आलम, विधायक श्री रामविशुन सिंह, विधायक श्री प्रभुनाथ प्रसाद विधायक श्री वशिष्ठ सिंह, विधान पार्षद श्री राधाचरण सेठ, मुख्य सचिव श्री अंजनी कुमार सिंह ने भी को संबोधित किया। इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक श्री पी0के0 ठाकुर, मुख्यमंत्री के सचिव श्री अतीश चंद्रा, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी श्री गोपाल सिंह, जिलाधिकारी भोजपुर श्री संजीव कुमार, पुलिस अधीक्षक भोजपुर श्री अवकाश कुमार सहित अन्य वरीय अधिकारी, गणमान्य व्यक्ति तथा बड़ी संख्या में आमलोग उपस्थित थे।

******